मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 07 मार्च 2017

भारत और ब्रिटेन विविध एवं समावेशी बहु–संस्कृति समाज को साझा करते हैं

कालेज स्तरीय छात्रों को '' शांति के दूत '' नियुक्त करने और संयम तथा सह अस्तित्व के विचारों से प्रशिक्षित करने के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। विभिन्न आस्थाओं के धमगुरूओं ने उन्हें उक्त विचारों से अवगत कराया।

जेएमआई के इस्लामिक अध्ययन विभाग और ब्रिटिश उच्चायोग ने इस कार्यशाला का आयोजन किया। जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद और ब्रिटिश उच्चायोग के प्रेस एवं पोलिटिकल मिनिस्टर काउंसलर एंड्रयू सोपर ने इसका उद्घाटन किया।

प्रो अहमद ने कहा, ''जामिया हमेशा से संयम एवं समावेशी समाज की हिमायत करता आया है। इन प्रयासों से हमारा उद्देश्य समावेशी एवं संयमित समाज तथा विविधता वाले समाज में बहु संस्कृति के सिद्धांत के आधार पर भविष्य के नेताओं को प्रशिक्षित करना है। ''

कार्यशाला समारोह के मुख्य अतिथि एंड्रयू सोपर ने कहा कि भारत की तरह ब्रिटेन भी बहु संस्कृति, विविधता भरा समाज है और उन्हें इस बात की खुशी है कि

इन विचारों के आधार पर युवा छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से छात्रों को संयम एवं सह अस्तित्व के विचारों से शिक्षित करने में ज़रूर मदद मिलेगी।

इस्लामिक अध्ययन विभाग के प्रो जुनैद हारिस द्वारा संपादित पुस्तक ''इंटरफेथ : को–एक्ज़िज़टेंस एंड टॉलेरंस '' का इस मौके पर प्रो अहमद और श्री सोपर ने संयुक्त रूप से लोर्कापर्ण किया।

इस अवसर पर एसिसटेंट प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा हबीबुल रहमान ने इस परियोजना की अब तक की प्रगति पर रिपोर्ट पेश की।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रो जुनेद ने बताया कि जेएमआई ने अपने यहां और अलिगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन किया है और दोंनों जगह इसके बहुत ही सकारात्मक नतीजे आए हैं। ऐसी कार्यशालाओं में बने '' शांति दूतों '' ने समाज में शांति एवं संयम का प्रचार प्रसार किया है।

ब्रिटिश उच्चायुक्त के प्रेस एवं संचार सलाहकार असद मिर्ज़ा ने कहा कि जेएमआई एक बहुत पुराना संस्थान है और पूर्व में भी इस विश्वविद्यालय ने बहुत सफल परियोजनाओं को अंजाम दिया है।

जेएमआई मीडिया कोऑर्डनैटर कार्यालय

font: Kruti Dev 010